आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 18.04.2026 समय : 0705

<><><><><><><><>

1. लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण लागू करने वाला संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका।
2. यातायात विभाग ने अवैध पार्किंग किए वाहनों को तीन दिनों के भीतर स्थानांतरित करने को कहा।
3. पर्यटन विभाग की ओर से इटर–टाइडल वॉक पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू।
4. जहाज एम वी सिंधु की यात्रा टिकटे आज सुबज नौ बजे से जारी की जाएंगी।

<><><><><><><><>

संविधान –131वां संशोधन विधेयक, परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून –संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सके। विधेयक के पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 मत पडे। विधेयक पारित होने के लिए दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता थी। इस विधेयक के पारित न होने के कारण परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून–संशोधन विधेयक, 2026 सहित अन्य दो विधेयकों को पारित करने के लिए पेश नहीं किए गया।

<><><><><><><><>

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के लिए ऑफलाइन पंजीकरण कल से शुरू हो गया है। कल से शुरू हो रही यात्रा से पहले ही पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। श्रद्धालुओं के लिए मौके पर पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न ट्रांजिट पॉइंट्स पर भी टीमें जा रही हैं। इस बीच, 6 मार्च को शुरू हुई ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया अभी भी जारी है, अक्षय तृतीया के अवसर पर कल से तीर्थयात्रा आधिकारिक रूप से शुरू होगी।

<><><><><><><><>

द्वीप समूह में सार्वजनिक सड़कों, सड़क के किनारों, सड़क के शोल्डर्स या किसी भी गैर–निर्धारित क्षेत्र पर अवैध रूप से पार्क किए गए सभी लावारिस वाहनों के मालिकों और संचालकों, साथ ही निजी और

व्यावसायिक मोटर वाहनों के मालिकों को सलाह दी है कि वे ऐसे सभी वाहनों को 3 दिनों के भीतर निर्धारित पार्किंग स्थल पर स्थानांतरित करें। अवधि समाप्त होने पर, अवैध रूप से पार्क पाए गए वाहनों के खिलाफ, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 और मोटर वाहन (ड्राइविंग) विनियम, 2017 की विभिन्न धाराओं के तहत, सख्त कार्रवाई शुरू की जाएगी, जिसमें मोटर वाहनों को प्रवर्तन टीमों द्वारा हटाना, जुर्माना लगाना, पहियों को लॉक करना जैसे नियम लागू होंगे। विभाग ने ये भी कहा है कि वाहनों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया के दौरान यदि वाहन को कोई नुकसान होता है, तो उसके लिए वाहन का मालिक ही जिम्मेदार होगा। प्रशासन ने इस कार्य में जनता से सहयोग करने की अपील की है।

<><><><><><><><>

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत कल 'लोक निवास' में राजस्थान, ओडिशा और हिमाचल प्रदेश का स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में तीनों प्रदेश से संबंध रखने वाले लोगों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन के दौरान बातचीत और अनुभव साझा करने का एक सत्र भी आयोजित किया गया। राजस्थान, ओडिशा और हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस की झलक दिखाने वाली एक छोटी डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। इस कार्यक्रम का समापन 'हाई टी' और अतिथियों को स्मृति–चिह्न भेंट करने के साथ हुआ।

<><><><><><><><>

पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित तीन–दिवसीय 'आइलैंड फूड फ़ेस्टिवल' का उद्घाटन कल प्रदर्शनी मैदान में किया गया। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि पर्यटन निदेशक, विनायक चमाड़िया ने किया। शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक चलने वाला यह उत्सव द्वीपों के विविध समुदायों को एक साथ जोड़ता है। इस दौरान स्थानीय विक्रेताओं, स्वयं सहायता समूहों और सांस्कृतिक संघों द्वारा लगाए गए स्टॉलों ने आगंतुकों को भारत के विभिन्न हिस्सों के प्रामाणिक व्यंजनों का स्वाद लेने का अनुभव प्रदान किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और लघु नाटिका के माध्यम से लोगों को महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश दिए गए। कार्यक्रम स्थल पर एक शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जा रहा है। 19 अप्रैल तक चलने वाले इस उत्सव में पर्यटन विभाग ने सभी क्षेत्रों से लोगों को आमंत्रित किया है।

<><><><><><><><>

पर्यटन विभाग, अंडमान निकोबार पर्यावरण टीम और दक्षिण फाउंडेशन के सहयोग से, इंटर–टाइडल वॉक पर चार–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। कल इस कार्यक्रम शुरूआत हुई, जो 25, 27 और 30

अप्रैल को भी चलेगा। इस प्रशिक्षण में उन प्रशिक्षुओं का चयन किया गया है, जिन्होंने पहले विभाग द्वारा आयोजित टूर गाइड और इको टूर गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया था। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के गाइडिंग कौशल को बढ़ाना और इंटर–टाइडल पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में जागरूकता और व्यावहारिक समझ को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर प्रशिक्षण की ANET फील्ड स्टेशन, नॉर्थ वांडूर में जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जहाँ विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को इंटर–टाइडल पारिस्थितिकी के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। सत्र के बाद, इंटर–टाइडल तट पर एक क्षेत्र–आधारित इंटर–टाइडल वॉक आयोजित की गई। जिसमें टूर ऑपरेटरों और पर्यटकों ने भाग लिया। इस दौरान ANET के विषेशज्ञों ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए, उन्हें प्रजातियों की पहचान, पारिस्थितिक अंतःक्रियाओं और संरक्षण उपायों के बारे में समझाया।

<><><><><><><>

जहाज़ एम वी 'सिंधु' 20 अप्रैल को शाम 4 बजे कोलकाता से श्री विजयपुरम के लिए रवाना होगा। इस यात्रा के लिए टिकटे आज सुबह 9 बजे से जारी की जाएगी। टिकट जहाजरानी सेवा निदेशालय की ई–टिकटिंग पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन बुक या STARS टिकटिंग काउंटरों से भी खरीदे जा सकते है। इसके अलावा पोर्टल से जुड़ने के लिए QR कोड भी उपलब्ध है।

<><><><><><><>

उद्योग विभाग, स्टार्टअप, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, उद्यमियों और स्वरोज़गार करने वाले युवाओं को कंपनी अधिनियम और कंपनी मामलों पर जागरूकता कार्याशाला आयोजित करने जा रहा है। ये कार्याशाला 24 अप्रैल को उद्योग निदेशालय, के सभागार में सुबह 9 बजे से शुरू होगी। जिसका उद्देश्य Startup India और Make in India के अनुरूप व्यवसायों को औपचारिक बनाना, निवेश के लिए तैयार करना और रोज़गार पैदा करना है। चेन्नई के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में उप पंजीयक, ऐशाला वामशी कृ ष्णा मुख्य वक्ता होंगे। यह वर्कशॉप मौजूदा Pvt. Ltd/LLP/OPC मालिकों, इनोवेटर्स, बिना रजिस्टर्ड व्यवसायों और उद्योग संघों के लिए है। इच्छुक प्रतिभागी 22 अप्रैल तक अपना नाम उद्योग निदेशालय में पंजीकरण करा सकते हैं।

<><><><><><><>

नेताजी स्टेडियम में 8वें राज्य स्तरीय लीग–सह–नॉकआउट फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट का उद्घाटन कल शिक्षा निदेशक आदित्य संगोत्रा ने किया। अपने संबोधन में, उन्होंने कहा

कि ऐसे आयोजन युवा फुटबॉल खिलाड़ियों की छिपी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करेंगे, क्योंकि जीतने वाले टीमें सुब्रतो कप के लिए पहली बार इन द्वीपों का प्रतिनिधित्व करेगी। अन्डर–17 लड़कों के वर्ग में, विम्बर्लीगंज, कार निकोबार, लिटिल अंडमान, नानकौरी और कैंपबेल बे की टीम विजयी रहीं। जबकि अन्डर–17 लड़कियों के वर्ग में, डिगलीपुर, कार निकोबार, श्री विजया पुरम और नानकौरी के टीम ने बाजी मारी।

<><><><><><><>

समग्र शिक्षा केन्द्र ब्रुक्शाबाद में दिव्यांग बच्चों के लिए एक समृद्ध ध्यान सत्र और अंतर्ज्ञान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सत्र के दौरान आर्ट ऑफ लिविंग की वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रिया मेनन ने अंतर्ज्ञान व समग्र कल्याण को बढ़ाने पर अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने बच्चों को एकाग्रता और आत्मविश्वास के बारे में जानकारी दी। सी आर सी के निदेशक सुमिथामोल ने कहा कि इस तरह की पहल बच्चों के आत्मविश्वास के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

<><><><><><><>